Dainik Bhaskar (Indore), 08th February 2024, Page – 02

Energy Saving | पेट्रोल और डीजल वाहनों को कम कर बैटरी से चलने वाले बढ़ाए जा रहे

IIT और IIM कैम्पस में चलेंगे सिर्फ ग्रीन एनर्जी व्हीकल, 21 इलेक्ट्रिक गाड़ियां खरीदी

गजेंद्र विश्वकर्मा | इंदौर

40 से 50 रुपए में ईवी 70 से 100 किलोमीटर चल सकती हैं

महीने में 1 हजार से 1500 रुपए खर्च आता है

पेट्रोल और डीजल व्हीकल में प्रतिदिन 500 से 700 रुपए खर्च होते हैं

एसजीएसआईटीएस भी स्टूडेंट्स को ई-व्हीकल के लिए प्रेरित कर रहा

शहर के शिक्षण संस्थान बड़ा बदलाव करते हुए अपने कैम्पस में ई-व्हीकल की संख्या बढ़ाने पर जोर दे रहे हैं। आईआईटी और आईआईएम इंदौर ने तय किया है कि कैम्पस के अंदर मेहमान, टीचर्स और स्टूडेंट्स को मुख्य गेट से लाने और परिसर में घुमाने के लिए ई-व्हीकल का ही उपयोग किया जाएगा। इसके लिए हर दो से तीन महीने में नए ई-व्हीकल खरीदें जा रहे हैं। 500 एकड़ में फैले आईआईटी कैंपस में परिवहन का 70 प्रतिशत काम बैटरी से संचालित वाहनों से हो रहा है। यहां 11 ई-व्हीकल खरीदे जा चुके हैं वहीं आईआईएम ने 10 व्हीकल खरीदे हैं। प्रदेश के सबसे बड़े ऑटोनोमस इंजीनियरिंग संस्थान एसजीएसआईटीएस ने अपने स्टॉफ के लिए ई-साइकिल खरीदी है। इससे शिक्षण संस्थान ग्रीन एनर्जी अपनाने का संदेश तो दे ही रहे हैं साथ ही हर महीने प्रति व्हीकल से 3 से 5 हजार रुपए की बचत कर रहे हैं।

शहर में	
450	ई-कार
14000	स्कूटर
5500	ई रिक्शा
1200	ई-रिक्शा कार्ट

आईआईएम इंदौर में आने वाले मेहमानों और स्टॉफ के लिए चलाई जा रही ई-गोल्फ कार्ट।

हर महीने 3 से 5 हजार रुपए की बचत

आईआईएम के डायरेक्टर प्रो. हिमांशु राय का कहना है कोई भी बेहतर बदलाव शिक्षण संस्थानों से होता है तो इससे स्टूडेंट्स और समाज में अच्छा संदेश जाता है। हम कैम्पस को पूरी तरह इको फ्रेंडली बना रहे हैं। इसके लिए कैम्पस को प्लास्टिक मुक्त करने के बाद पेट्रोल और डीजल के वाहनों का उपयोग परिसर में कम करने पर जोर दे रहे हैं। हमने बाहर से आने वाले मेहमान, स्टूडेंट्स और स्टॉफ के लिए ई-व्हीकल खरीदे है। इनमें 5 टू व्हीलर भी है, जिसका उपयोग कोई भी कर सकते हैं। हर ई-व्हीकल से प्रति महीने 3 से 5 हजार रुपए तक की बचत हो रही है। आने वाले समय में कैम्पस में सिर्फ ई- व्हीकल का ही उपयोग करेंगे।

बड़े व्हीकल भी बैटरी वाले खरीदेंगे

आईआईटी इंदौर के पीआरओ सुनिल कुमार ने बताया कि करीब 500 एकड़ कैम्पस में कई स्टूडेंट्स और फैकल्टीज को रोजाना इधर से उधर जाने की जरूरत होती है। इसके लिए पेट्रोल-डीजल के वाहनों का उपयोग करने पर काफी कार्बन उत्सर्जन होता है। मुख्य गेट से अंदर आने के लिए भी हम इसका उपयोग कर रहे हैं। हमारी कोशिश है कि प्राकृतिक ऊर्जा का उपयोग बढ़ाए। इसके लिए भविष्य में बड़े वाहन भी ग्रीन एनर्जी वाले खरीदें जाएंगे। एसजीएसआईटीएस के डायरेक्टर डॉ. आरके सक्सेना का कहना है कि हमने तीन ई-साइकिल खरीदी है। इसका उपयोग परिसर में रहने वाला स्टॉफ कर रहा है। टीचर्स और स्टूडेंट्स से भी अपील कर रहे हैं कि वे परिसर के अंदर बैटरी से चलने वाले वाहन ही लाए।

चार्जिंग स्टेशन से और बढ़ेगी संख्या

ईवी के एक्सपर्ट फाउंडर संयोग तिवारी का कहना है ई-व्हीकल परिवारों की पहली पसंद बनते जा रहे हैं। शिक्षण संस्थानों के अलावा कई प्राइवेट कंपनियां भी इनका उपयोग कर रही है। शहर में कई जगह चार्जिंग स्टेशन भी तैयार हो गए हैं। इससे आने वाले समय में वाहनों की संख्या और बढ़ेगी।